

---

shrIrAmasarvasvastotram

—  
श्रीरामसर्वस्वस्तोत्रम्  
—

Document Information



---

Text title : shrIrAmasarvasvastotram

File name : shrIrAmasarvasvastotram.itx

Category : kavacha, raama

Location : doc\_raama

Author : Traditional

Transliterated by : Nat Natarajan nat.natarajan at gmail.com

Proofread by : Nat Natarajan nat.natarajan at gmail.com, NA

Latest update : March 20, 2016

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीरामसर्वस्वस्तोत्रम्



॥ अथ श्रीरामसर्वस्वस्तोत्रम् ॥

रामो माता मत्पितारामचन्द्रो भ्रातारामो मत्सखा रामचन्द्रः ।  
रामः स्वामी राम एवार्थदाता रामादन्यं नैव जाने न जाने ॥ १ ॥

रामः सेव्यो वन्दनीयोऽपि रामो रामोनित्यं मादृशैश्चितनीयः ।  
रामो ज्ञानं ध्यानगम्योऽपि रामो रामादन्यं नैव जाने न जाने ॥ २ ॥

रामो भुक्तिर्मुक्तिदाता च रामो रामोऽस्माकं राजते राजराजः ।  
लोकेऽस्माभिर्लोक्यते रामचन्द्रो रामादन्यं नैव जाने न जाने ॥ ३ ॥

रामोधर्मः कर्मरामो मदीयं रामोमह्यं कर्मसिद्धिप्रदाता ।  
रामोऽजस्रः कर्मसिद्धिस्वरूपी रामादन्यं नैव जाने न जाने ॥ ४ ॥

रामोऽस्माभिः पूजनीयोनितान्तं रामोऽस्माभिः प्रत्यहं कीर्तनीयः ।  
रामोऽस्माभिर्गोपनीयो गुहान्ते रामादन्यं नैव जाने न जाने ॥ ५ ॥

रामोऽस्माकं दुःखहर्ता त्रिलोक्यां रामोऽस्माकं कर्मकर्ता सदैव ।  
रामोऽस्माकं कर्मभूतो विभाति रामादन्यं नैव जाने न जाने ॥ ६ ॥

रामोज्ञातिः ख्यातिरप्येव रामो रामः कीर्तिः पूर्तिरप्येव रामः ।  
सर्वस्वं मे रामचन्द्रोऽवनीन्द्रो रामादन्यं नैव जाने न जाने ॥ ७ ॥

ग्रामेरण्ये जागरे स्वप्रकाले मार्गे दुर्गे गच्छतोऽगच्छतो मे ।  
शश्वल्लोके रक्षकस्त्वेव रामो रामादन्यं नैव जाने न जाने ॥ ८ ॥

ये वै त्रिसन्ध्यं प्रपठन्ति नित्यं श्रीरामसर्वस्वमनन्य भक्त्या ।  
श्रीरामरामेण कृतं कृतार्थास्तेऽप्यच्युतं रामपदं प्रयान्ति ॥ ९ ॥

इति श्रीरामसर्वस्वस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

*shrIrAmasarvasvastotram*

pdf was typeset on February 2, 2024

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

